19 कैलेंडर

सूरज बड़त्या
(जन्म : सन् 1974)

सूरज बड़त्या का जन्म पूर्वी दिल्ली के सिलमपुर में हुआ । उन्होंने 12वीं तक की शिक्षा नांगलोई में पाई। उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से पूर्ण की। वर्तमान में वे दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। सन् 1997 से कविता लेखन कर रहे हैं। राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा, कहानियाँ, कविताएँ, लेख आदि प्रकाशित होते हैं। इसके अतिरिक्त 'संघर्ष', 'युद्धरत आम आदमी', 'दलित अस्मिता' आदि पत्रिकाओं का सम्पादन किया है।

सूरज बड़त्या मूल रूप से दलित साहित्यकार हैं। अनके कहानी संग्रह 'कॉमरेड का बक्सा' का कई भाषाओं में अनुवाद हुआ है। उनकी मुख्य कृतियाँ हैं 'दलित साहित्य पक्ष-प्रतिपक्ष', 'दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र', 'बाबू मंगूराम' उनकी रचनाओं में मुख्य रूप से आदिवासी महिला, दलित महिला, किन्नर समुदाय और अल्पसंख्यकों से जुड़ी समस्याओं का वर्णन है।

प्रस्तुत कविता कैलेंडर में एकविध कार्य से ऊबे हुए नौकरीपेशा व्यक्ति के जीवन में व्याप्त नीरसता का वर्णन है। कैलेंडर की तरह रोज अपने आपको बदलनेवाले कवि के जीवन में कहीं कोई नयापन नहीं लगता।

घर और दफ्तर में
कैलेंडर टँगा है
उसे देखकर
मुझे रोज की दिनचर्या याद आती है
रोज घर से निकलकर
ऑफिस जाता हूँ
और ऑफिस से घर
दिन, महीना बदलता जाता है
और बदलता जाता है
कैलेंडर का पन्ना
मैं भी कैलेंडर के पन्ने की तरह
रोज बदलता हूँ
पर कुछ भी नया नहीं
उसी पुराने एहसास के साथ
रोज दिन छिपने पर
सुबह की आस में
इंतजार करता हूँ
पर क्या करूँ
सूर्योदय के साथ
फिर वही काम
और फिर से इंतजार तुम्हारा
यह जानते हुए कि
सुबह की रोशनी की तरह
तुम कभी भी नहीं आओगे
सूखे बरगद को
हरीतिमा देने।

शब्दार्थ और टिप्पणी

कैलेंडर तिथिपत्रक **हरीतिमा** हरियाली

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उनके नीचे दिए गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:

(1) कैलेंडर कहाँ लगा है?

(क) घर और दफ़्तर में (ख) घर और दुकान में

(ग) घर और विद्यालय में (घ) विद्यालय और दुकान में

(2) कैलेंडर को देखकर कवि को क्या याद आता है?

(क) मीठी यादें (ख) बुरे दिन (ग) रोज की दिनचर्या (घ) पुराने मित्र

(3) कवि घर से निकल कर कहाँ जाता है?

(क) दफ़्तर (ख) दुकान (ग) कॉलेज (घ) विद्यालय

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) घर और दफ्तर में क्या टँगा है?

(2) कवि रोज किसे बदलता है?

(3) कवि ने किस पेड़ का जिक्र किया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :

(1) दिन छिपने पर कवि किसका इंतजार करता है? क्यों?

(2) कवि की दिनचर्या क्या है?

(3) कवि के जीवन में नयेपन का एहसास क्यों नहीं है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच पंक्तियों में लिखिए :

(1) 'कैलेंडर' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए।

(2) 'तुम कभी भी नहीं आओगे सूखे बरगद को हरीतिमा देने' का भावार्थ समझाइए।

योग्यता-विस्तार

(1) विद्यार्थी प्रवृत्तिः 'दलित साहित्य' के विषय में अपने शिक्षक से विस्तृत जानकारी प्राप्त कीजिए।

(2) शिक्षण प्रवृत्तिः गुजरात के किसी दलित साहित्यकार के विषय में अपने छात्रों को जानकारी दीजिए ।